Fourteenth Loksabha

Session : 6
Date : 22-12-2005

Participants : Wagmare Shri Suresh Ganapat

>

Title :Regarding need to provide loans to farmers of Vidarbha region at lower interest rates and fix remunerative prices for cotton and soyabean.

श्री सुरेश वाघमारे (वर्धा) : सभापति जी, कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था का मुख्य निर्धारक है। 58 प्रतिशत श्रमबल और दो-तिहाई जनसंख्या कृषि पर निर्भर है। सरकार ने अनेक योजनाएं कृषि के लिए चलाई, ग्रामीण क्षेत्र के लिए चलाईं, लेकिन ग्रामीणों का पलायन और किसानों की आत्महत्याएं बढ़ रही हैं।

देश में महाराट्र के विदर्भ क्षेत्र के किसानों की आत्महत्या का प्रमाण ज्यादा है कारण कपास और सोयाबीन के कीमतों में गिरावट, किसानों का बकाया ऋण और सिंचाई के लिए बिजली न होना (लोड शैडिंग), स्वामीनाथन कमेटी की रिपोर्ट को भी देखना सरकार के लिए जरुरी है। जिस पर सरकार सोचे और अमल करे।

मेरे निर्वाचन क्षेत्र वर्धा में त्रस्त ग्रामीणों ने डोर्ली नामक गांव ही बेचने के लिए टी.वी. पर दिखाया है। यह सब चिंता का विाय है। महोदय, जब सेंसेक्स गिरता है, शेयर मार्किट में गिरावट आती है तब सरकार को बहुत ज्यादा चिंता होती है लेकिन किसानों की आत्महत्याओं पर सरकार गंभीर नहीं दिखाई देती है।

मैं सरकार से अनुरोध करता हूं कि कपास के भाव 2700 रुपये प्रति क्विंटल और 1800 रुपये प्रति क्विंवटल सोयाबीन के भाव दे, किसानों का ऋण माफ करे, खेती के लिए सिंचाई और हाउसिंग के लिए 4 प्रतिशत ब्याज पर ऋण उपलब्ध कराये तथा ऋण नाबार्ड से प्राप्त कराए। ओ.टी.एस. योजना सभी बैंकों में लागू करें। सिंचाई के लिए बिजली व्यवस्था दे। लोड-शैडिंग बंद करे। इससे ग्रामीणों का पलायन रुकेगा, किसानों की आत्महत्याएं नहीं होंगी और भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी।

MR. CHAIRMAN :

Shrimati Manorama Madhavraj - Not present.